लक्ष्य प्राप्त करना

10. डॉ० अच्युतानन्द--दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 18 मार्च, 2010 के अंक में प्रकाशित खबर पेसू का निकला हम को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पेसू के अधीन लगभग तीन लाख सरकारी एवं गैर सरकारी उपभोक्ता हैं, जबकि प्रतिमाह मात्र अड़तीस से चालीस करोड़ रुपये की ही राजस्व की वसूली होती है;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2009-10 में कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों की उदासीनता के कारण पेसू द्वारा 1100 करोड़ रुपये के राजस्व वसूली के लक्ष्य के विपरीत मात्र 11.50 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की गयी;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोषी पर कार्रवाई करते हुए राजस्व की वसूली को लक्ष्य तक पहुंचाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सकों की कमी दूर करना

11. श्री राम बालक सिंह--दिनांक 7 जनवरी, 2011 को पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के शीर्षक "सरकारी अस्पतालों में चाहिए 10 हजार डॉक्टर" की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के आबादी के हिसाब से पूरे राज्य में कुल 28 हजार डॉक्टर की कमी है;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य के 1243 अ०प्रा०स्वा० केन्द्र डॉक्टर विहीन है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चिकित्सकों की कमी को दूर करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कार्य पूरा कराना

12. श्री संजय सिंह टाईगर--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिले के कोइलवर में वर्ष 2000 में ही मानसिक आरोग्यशाला हेतु कार्य प्रारंभ किया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि 10 वर्ष बीत जाने के बाद भी उक्त मानसिक आरोग्यशाला का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है और इसके निमित भवनों में ही सी०आर०पी०एफ० कैम्प चल रहा है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त आरोग्यशाला में आउटडोर सेवा शुरू हो चुकी है परन्तु भवन, शय्या आवश्यक उपकरण के अभाव में इंडोर सेवा शुरू नहीं हो सकी है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त आरोग्यशाला के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराते हुए उसे पूर्णरूपेण चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

एम्बुलेन्स सेवा बहाल करना

13. श्री विनोद नारायण झा--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि 16 जनवरी, 2011 से राज्य के मोतिहारी, बांका, मधुबनी, समस्तीपुर, गया सहित 19 जिलों में बेसिक लाईफ लाईन सपोर्ट एम्बुलेंस की सेवा ठप्प हो गई है;

(2) क्या यह बात सही है कि जिला स्वास्थ्य समिति एवं एजेन्सी के बीच 30 दिनों के अन्दर अनुबंध की राशि नहीं चुकाने तथा 45 दिनों में राज्य समिति द्वारा भुगतान करने में विफल रहने की स्थिति में बेसिक लाईफ लाईन सपोर्ट एम्बुलेंस की सेवा ठप्प हो गई है, जिसके कारण गांव एवं सुदूर देहात से पी०एम०सी०एच० एवं आई०जी०आई०एम०एस० सहित कई अस्पतालों में लोगों को आपातकालीन चिकित्सा से वंचित होना पड़ रहा है;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार तुरंत एम्बुलेंस सेवा बहाल करने के लिए कौन-सी कार्रवाई, कबतक करने का विचार रखती है ?

जाँच कराना

14. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह--दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 19 दिसम्बर, 2010 को प्रकाशित शीर्षक "सड़ गया बाढ़ राहत का 10 हजार किलो चावल" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, आपदा प्रबन्धन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2008 में कोशी क्षेत्र के बाढ़ आपदा के सहायता के लिए हरियाणा राज्य के करनाल से गैर-सरकारी संगठन सहयोग संस्था द्वारा 30 हजार किलो ग्राम चावल 4 अक्टूबर, 2008 को पटना जंक्शन भेजा गया था एवं अक्टूबर, 2008 के अन्तिम सप्ताह में पटना जंक्शन पहुंचा था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त चावल सरकार द्वारा समय पर नहीं उठाव होने के कारण तीन वर्षों तक रेलवे यार्ड में पड़ा रहा और जनवरी, 2011 में प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट के अनुसार 10 हजार किलो चावल खाने योग्य नहीं रह गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने एवं बचे चावल का वितरण कराने का विचार रखती है ?

पटना :
दिनांक 25 फरवरी, 2011 (ई०) ।

गिरीश झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 119--डी०टी०पी०--450